सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, गुरुवार, 06 नवंबर, 2025

वर्षः 02, अंकः 295, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

सीएम योगी ने विश्वनाथ धाम, बाबा कालभैरव के किए दर्शन » Pg12

इनसाइड सीएम ग्रिड योजना के निर्माण में अंधेरगर्दी, अफसर ... » Pg03

उत्तर प्रदेश में लोकतंत्र के महायज्ञ पर मंथन शुरू

तैयारीः गांव की सत्ता के लिए बिछी बिसात!

पंचायत चुनाव 2026 के लिए सजे मोहरे, खर्च की सीएम हुई दोगुनी, 75 करोड़ बैलेट की छपाई शुरू, अप्रैल से जुलाई के बीच होगा शेड्यूल

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर पंचायत चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने 2026 के अप्रैल से जुलाई के बीच पंचायत चुनाव कराने की पूरी तैयारी शुरू कर दी है। आयोग का लक्ष्य है कि चुनाव तय समय पर हों और हर स्तर पर पारदर्शिता बनाए रखी जाए। राज्य निर्वाचन आयुक्त राज प्रताप सिंह ने हाल ही में प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, पंचायत चुनाव 2026 की गर्मियों में चार चरणों में कराए जाने की योजना है। इस बार आयोग समय से पहले तैयारी शुरू कर चुका है ताकि किसी भी प्रकार की प्रशासनिक या कानूनी देरी न हो। जैसे ही राज्य सरकार एससी-एसटी आरक्षण की अंतिम सूची जारी कर देगी, चुनाव कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा की जाएगी। 2021 में पंचायत चुनाव 15 से 29 अप्रैल के बीच चार चरणों में संपन्न हुए थे, लेकिन उस समय कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण कई मतदान कर्मियों की मौत हो गई थी। इसके चलते ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव स्थगित करने पड़े थे, जो बाद में जुलाई में कराए गए। इस बार आयोग नहीं चाहता कि ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न हो, इसलिए तैयारियां एक साल पहले ही शुरू कर दी गई हैं।

निर्वाचन आयोग ने बैलेट पेपर की छपाई के लिए विशेष पेपर निर्माण का कार्य शुरू कर दिया है। इस बार करीब 75 करोड़ से अधिक बैलेट पेपर छापे जाने हैं। अधिकारियों के अनुसार बैलेट के लिए दो से तीन रंगों का विशेष सुरक्षा युक्त पेपर बनवाया जा रहा है, ताकि फर्जी बैलेट का कोई जोखिम न रहे। इस प्रक्रिया में सरकारी सुरक्षा प्रेस और निजी मान्यता प्राप्त प्रेस दोनों को शामिल किया गया है। बैलेट पेपरों की आपूर्ति जिलों में चरणबद्ध रूप से की जाएगी, ताकि चुनाव की तैयारी समय पर पूरी हो सके।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने दिए सख्त निर्देश

राज्य निर्वाचन आयुक्त राज प्रताप सिंह ने सभी जिलाधिकारियों से कहा है कि पंचायत चुनावों की तैयारी को प्राथमिकता दी जाए। यह चुनाव लोकतंत्र की जड़ तक पहुंचने का माध्यम है। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मतदाता सूची से लेकर मतदान केंद्रों की सुविधा तक सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी की जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन कर्मियों का प्रशिक्षण, सामग्री की उपलब्धता, और सुरक्षा प्रबंध पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

उम्मीदवार अब खर्च कर सकेंगे अधिक

इस बार पंचायत चुनावों में उम्मीदवारों के चुनाव खर्च की सीमा को 2021 के मुकाबले लगभग दोगुना कर दिया गया है। आयोग के अनुसार, जमीनी हकीकत और महंगाई को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। नए नियमों के अनुसार, ग्राम प्रधान उम्मीदवार अब अधिकतम 1.25 लाख रुए खर्च कर सकेंगे (पहले 75,000 रुपए था)। क्षेत्र पंचायत सदस्य के चुनाव खर्च की सीमा 1 लाख पर यथावत रखी गई है। क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष के लिए सीमा 2 लाख रुए से बढ़ाकर 3.50 लाख कर दी गई है। जिला पंचायत सदस्य के लिए खर्च सीमा 1.50 लाख से बढ़ाकर 2.50 लाख रुपए कर दी गई है।

इसी तरह जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए सीमा 4 लाख से बढ़ाकर 7 लाख रुपए कर दी गई है। हालांकि, चुनावी जानकारों का कहना है कि वास्तविक खर्च इन निर्धारित सीमाओं से कई गुना अधिक होता है। कुछ जिलों में जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव 10 से 15 करोड़ रुपये तक का खर्च दिखा चुका है, जबकि सदस्यता पाने के लिए कई प्रत्याशियों को भारी आर्थिक निवेश करना पड़ता है।

फर्जी वोटरों की छंटनी और सूची का पुनरीक्षण जारी

आयोग ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मतदाता सूची से डुप्लीकेट और फर्जी वोटरों के नाम हटाए जाएं। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि कई जिलों में पुनरीक्षण कार्य धीमा चल रहा है, जिसे दिसंबर तक हर हाल में पूरा करना होगा। आयोग की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि हर पात्र नागरिक का नाम सूची में हो और एक भी फर्जी मतदाता न बचे।

आवेदन शुल्क-जमानत राशि भी बढ़ाई गई

राज्य निर्वाचन आयोग ने उम्मीदवारों के आवेदन शुल्क और जमानत राशि में भी बढ़ोतरी की है। यह कदम गंभीर और सक्षम उम्मीदवारों को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है, ताकि चुनाव में अनावश्यक नामांकन कम हों। सभी वर्गों के उम्मीदवारों के लिए शुल्क वृद्धि का प्रस्ताव पहले ही शासन को भेजा जा चुका है।

आरक्षण प्रक्रिया पूरी होते ही अधिसूचना जारी

राज्य सरकार द्वारा एससी-एसटी आरक्षण और वार्ड निर्धारण की प्रक्रिया पूरी होते ही राज्य निर्वाचन आयोग चुनाव अधिसूचना जारी करेगा। आरक्षण प्रक्रिया अभी शासन स्तर पर अंतिम चरण में है। उम्मीद की जा रही है कि फरवरी 2026 तक इसकी अधिसूचना जारी हो जाएगी।

पंचायती राज प्रणाली की मजबूती पर फोकस

पंचायत चुनाव केवल स्थानीय प्रतिनिधियों के चयन का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण लोकतंत्र की नींव माने जाते हैं। इस बार आयोग की प्राथमिकता पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव कराना है, ताकि गांवों में विकास योजनाओं के कार्यान्वयन में चुने हुए प्रतिनिधियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। राज्य सरकार का भी उद्देश्य है कि पंचायत प्रतिनिधियों को भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासनिक माहौल में काम करने का अवसर मिले।

2021 की गलतियों से सीख, अब होगी सख्त निगरानी

2021 के पंचायत चुनावों में कोविड के चलते कई जगह शिकायतें मिली थीं। इस बार आयोग ने निर्णय लिया है कि हर जिले में निगरानी कक्ष स्थापित किया जाएगा, जहाँ चुनावी गतिविधियों की 24 घंटे मॉनिटरिंग होगी। इसके साथ ही ईवीएम के बजाय बैलेट वोटिंग सिस्टम को बरकरार रखा जाएगा, ताकि ग्रामीण इलाकों में मतदान प्रक्रिया सरल बनी रहे।

ग्राम सुरार में मिलजुमला आराजी में प्लॉट खरीदने वाले फंसे

भू-माफियाओं ने मिलीभगत करके सरकारी ज़मीन के कुछ हिस्से में काट दिए प्लॉट, राजस्व विभाग बना रहा मूकदर्शक

» सुरार में ऊसर भूमि पर चल रही अवैध प्लाटिंग में भ्रष्ट लेखपाल की मिलीभगत उजागर

» ग्राम प्रधान ने शिकायत वापस लेकर बचाई अपनी कुर्सी या हुई मोटी डील? ग्रामीणों में चर्चा तेज़

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। राजस्व ग्राम पंचायत सुरार में सरकारी भूमि पर भू-माफियाओं का कब्जा प्रशासन की निष्क्रियता और भ्रष्टाचार की गवाही दे रहा है। ग्राम प्रधान पंकज यादव ने एक महीने पूर्व सदर एसडीएम को शिकायत पत्र देकर आरोप लगाया था कि वीर बहादुर यादव और महेंद्र यादव ने अराजी संख्या 607, 608, 610 और 613 की सरकारी ऊसर भूमि पर अवैध रूप से प्लाटिंग शुरू कर दी है।प्रधान की शिकायत में क्षेत्रीय लेखपाल अनिल कुमार पर भी गंभीर आरोप लगाए गए थे कि उन्होंने मोटी रिश्वत लेकर सरकारी भूमि को निजी बताते हुए फर्जी रिपोर्ट तैयार की। यह मामला सामने आने के बाद भी राजस्व विभाग अब तक कार्रवाई से बचता रहा है।

दैनिक स्वराज इंडिया इस पूरे प्रकरण को शुरुआत से लगातार उजागर करता रहा है, फिर भी भ्रष्ट लेखपाल और भू-माफियाओं पर प्रशासन का शिकंजा नहीं कस सका है।कुछ दिन पूर्व नायब तहसीलदार रिचा सचान ने एसडीएम के निर्देश पर अराजी संख्या 608 के एक हिस्से से कब्जा हटवाया था, मगर अधिकांश भूभाग अब भी वीर बहादुर यादव के कब्जे में है। यह स्पष्ट संकेत है कि राजस्व विभाग के अधिकारी या तो दबाव में हैं या मिलीभगत से काम कर रहे हैं।इधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भू-माफिया मुक्त प्रदेश अभियान कानपुर में सिर्फ कागज़ों पर दिखाई दे रहा है। जिला अधिकारी के सख्त आदेशों के बावजूद सुरार में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

और तो और, जिस ग्राम प्रधान पंकज यादव ने इस अवैध कब्जे की शिकायत की थी, उसने अब अपनी ही शिकायत वापस ले ली है। ग्रामीणों में चर्चा है कि प्रधान ने यह कदम मोटी रकम लेकर उठाया है। दिलचस्प यह है कि दो दिन पहले ही पंकज यादव पर 1 लाख की रंगदारी मांगने का मुकदमा थाना सचेंडी में दर्ज हुआ है।ग्रामीणों का कहना है कि जब नायब तहसीलदार की जांच में सरकारी भूमि पर कब्जे की पुष्टि हो चुकी है, तो न तो भूमाफियाओं पर मुकदमा दर्ज किया गया और न ही भ्रष्ट लेखपाल को निलंबित किया गया। यह पूरा मामला राजस्व विभाग की लापरवाही, भूमाफिया-प्रशासन गठजोड़ और गांव में खुलेआम चल रहे भ्रष्टाचार का जीवंत उदाहरण बन गया है।

मैने रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को दे दी है- नायब तहसीलदार

सदर नायब तहसीलदार ऋचा सचान ने बताया कि सरकारी जमीन से कब्जा हटवा दिया गया है। मिल जुमला आराजी का निस्तारण डीएम की कोर्ट से होगा, तबतक कोई निर्माण या प्लॉटिंग नहीं होगी। बाकी रोज रोज की रिपोर्टिंग ले रही हूं, रिपोर्ट एसडीएम सर को दी है अग्रिम कार्रवाई वही करेंगे।

एक लाख डुप्लीकेट वोटरों के नाम सूची से हटे

1.78 लाख नए जुड़े, 24,625 वोटर्स के नाम-पते में संशोधन

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के दौरान जिले में बड़ी संख्या में डुप्लीकेट मतदाता मिले हैं।

अब तक सूची में 1,07,818 डुप्लीकेट या फिर मृतकों के नाम शामिल मिले हैं। इन सभी के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। वहीं 1,78,299 नए मतदाताओं के नाम भी जोड़े जा चुके हैं। अभी सत्यापन प्रक्रिया जारी है।त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव वर्ष 2026 में होने की संभावना को देखते हुए मतदाताओं की सूची का पुनरीक्षण अभियान चल रहा है।

राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से भेजी गई सूची के आधार पर जिले के सभी ब्लाकों में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं की जांच कर रहे हैं।

24,625 मतदाताओं के नाम और पते में थी गलती थी

तीन माह से चल रहे सत्यापन में जिले में कुल 3.10 लाख से अधिक मतदाताओं के नामों की गणना की गई। इनमें से 2.98 लाख मतदाताओं की गणना ई-मोबाइल एप और 12,556 मतदाताओं की गणना ऑफलाइन की गई है। मृतक और डुप्लीकेट मतदाताओं के साथ ही 24,625 ऐसे मतदाता मिले जिनके नाम, पते में गलती थी। इसको संशोधित किया गया।

ब्लॉकवार हटाए गए मतदाताओं की सूची

विकास खंड	बढ़ाए गए	डुप्लीकेट, मृत
कल्याणपुर	19963	10029
ककवन	7709	3781
घाटमपुर	29577	20675
चौबेपुर	13365	7424
पतारा	10552	6901
बिल्हौर	22031	12092
भीतरगांव	18594	12492
बिधनू	21259	11383
शिवराजपुर	13361	7474
सरसौल	21888	15567

पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूची का पुनरीक्षण चल रहा है। 1,07,818 मृत और डुप्लीकेट लोगों के नाम हटा दिए गए हैं। 1,78,299 नए मतदाता जोड़ दिए गए हैं। शेष सूची का पुनरीक्षण चल रहा है।

-सुनील द्विवेदी
सहायक निर्वाचन अधिकारी पंचायत

राज्य कर अधिकारी ने मांगी 1 लाख रिश्वत, कैलकुलेटर पर दिखाया अंक

» ट्रांसपोर्टर से ठेकेदार के जरिए दबाव, इनकार पर कार्रवाई करने की दी गई धमकी

» मुख्य सचिव को शिकायत भेजते ही जारी हुआ दस्तावेज, सीसीटीवी में कैद पूरी घटना

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। राज्य कर विभाग में भ्रष्टाचार का बड़ा मामला सामने आया है। कानपुर-मिर्जापुर रोड लाइंस के प्रोप्राइटर वैभव सिंह राठौर ने राज्य कर विभाग के सहायक आयुक्त योगेन्द्र कुमार और लेबर ठेकेदार मन्नू पर 1 लाख की रिश्वत मांगने और अनुचित दबाव डालने का आरोप लगाया है। ट्रांसपोर्टर ने बताया कि 29 अक्टूबर को उनका ट्रक कानपुर से मिर्जापुर जा रहा था। रास्ते में छिवली नदी के पास राज्य कर विभाग की दशम इकाई के अधिकारी योगेन्द्र कुमार ने ट्रक को रोक लिया और कार्यालय लाकर जांच शुरू की।

जांच के दौरान अधिकारी ने ट्रक में अवैध पॉलीथिन लदी होने का हवाला देते हुए उनके प्रबंधक राजेश मिश्रा से कहा कि मामला सुलझाना होगा।इसके बाद बुलाए गए ठेकेदार मन्नू ने पहले 1.5 लाख की मांग की और बताया कि पैसे देने पर ट्रक छोड़ा जाएगा। इनकार करने पर योगेन्द्र कुमार ने कैलकुलेटर पर ?1,00,000 का अंक दिखाकर कहा कि इतना दो तो मामला निपट जाएगा, वरना कार्रवाई होगी। वैभव सिंह के अनुसार ट्रक में रखी पन्नी को जानबूझकर ढक दिया गया ताकि बाहर वालों को कुछ पता न चले। 2 नवंबर को ठेकेदार मन्नू उनके कार्यालय पहुंचा और रिश्वत लेकर मामला खत्म करने का दबाव डाला। यह पूरा घटनाक्रम कार्यालय के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुआ है। ट्रांसपोर्टर ने बताया कि मूव-7 दस्तावेज तीन नवंबर तक रोका गया था, लेकिन जब उन्होंने प्रमुख सचिव राज्य कर एम. देवराज को शिकायत भेजी, तो तीन घंटे बाद ही दस्तावेज जारी कर दिया गया।

इसके बाद उन्हें अलग-अलग नंबरों से फोन कर मामले को शांत कराने की सलाह दी गई। पीड़ित वैभव सिंह की शिकायत पर कल्याणपुर थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

इंस्पेक्टर अजय प्रकाश ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विवेचना की जा रही है। वहीं सहायक आयुक्त योगेन्द्र कुमार से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उनका मोबाइल अनुपलब्ध मिला। यह मामला न केवल राज्य कर विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि किस तरह भ्रष्टाचार की जड़ें सरकारी दफ्तरों तक गहरी हो चुकी हैं।

सीएम ग्रिड योजना के निर्माण में अंधेरगर्दी, अफसर मौन

» कल्याणुर बगिया रोड पर पसरा कीचड़, घरों में कैद हुए लोग, ठेकेदार फर्म पर उठे सवाल

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। विकास के नाम पर चल रही सीएम ग्रिड परियोजना अब स्थानीय लोगों के लिए जी का जंजाल बन चुकी है। कल्याणपुर आवास विकास बगिया क्रॉसिंग रोड से केसा चौराहा तक का इलाका नरक का रूप ले चुका है। मनमाने तरीके से की जा रही खुदाई, मिट्टी के ढेर और जलभराव ने लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल कर दिया है।

उरीडा द्वारा संचालित इस परियोजना की निर्माण अवधि पूरी हो चुकी, लेकिन अभी तक 100 मीटर काम भी पूरा नहीं हुआ। मेसर्स डेल्टा इरेक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड ठेकेदार कंपनी है, जबकि कानपुर नगर निगम कार्यदायी संस्था है। लोगों का आरोप है कि निर्माण मानकों की खुली धज्जियां उड़ाई जा रही हैं । सीवर लाइन से सटे हुई पेयजल पाइप डाल दी गई है और चेंबरों में कहीं कंक्रीट तो कहीं ईंटों से निर्माण किया गया है।

बारिश ने हालात और बिगाड़ दिए। सड़क पर फैली मिट्टी कीचड़ में बदल गई, जिससे लोगों का निकलना दूभर हो गया। स्थानीय निवासी दो साल से परेशान हैं। व्यापार ठप, स्कूली बच्चों और नौकरीपेशा लोगों की दिनचर्या अस्त-व्यस्त।

सामाजिक कार्यकर्ता सीएम रोहित लाल वर्मा और आतिश पटेल का कहना है कि विकास के नाम पर यह निर्माण सबकुछ खत्म कर देगा। दो साल से कामधंधा चौपट है, लोग घरों में कैद हैं।

विकी भटनागर, नीरज राजपूत, राजाराम, आमअवतार गौतम और अन्य निवासियों ने बताया कि ॾसड़क के ऐसे हालात हैं कि यहां के लोग समाज से कट गए हैं, धूल और गंदगी से दमा जैसे रोग बढ़ रहे हैं।

बेतरतीब खुदाई से रास्ते बंद

मिट्टी के ढेर घरों के दरवाजों तक लगे हुए हैं। बारिश में सड़कों पर कीचड़ और सीवर भराव से जलभराव की स्थिति है।आवास विकास की सतह से दो फीट ऊंची सड़क बनने पर मकानों के धंसने का खतरा बना हुआ है। रात-बिरात आपात स्थिति में निकलने की कोई व्यवस्था नहीं है। सीवर में वाटर लाइन डालने जैसी तकनीकी लापरवाही दिखती है। निर्माण की डेडलाइन खत्म, पर काम में कोई तेजी नहीं आ रही है। स्वरूप नगर से ग्वालिन चौराहा तक भी उजागर हुई गड़बड़ियां, सीएम ग्रिड योजना की अव्यवस्थाएं केवल कल्याणपुर तक सीमित नहीं। स्वरूप नगर से मटका तिराहा होते हुए ग्वालिन चौराहा तक मानकविहीन निर्माण की शिकायतें सामने आईं। जांच में पाया गया कि पाइपलाइन के नीचे बेस कंक्रीट नहीं बिछाई गई, जिसके बाद नगर निगम ने ठेकेदार फर्म पर ?3 लाख का जुर्माना लगाया।

न्याय कब मिलेगा उस मासूम कुशाग्र को

» 2 साल पहले इंटर के छात्र कुशाग्र की बेरहमी से हत्या कर दी गई

» पीड़ित को आजतक न्याय नहीं मिल पा रहा है

» हाइकोर्ट ने कहा था कि फास्ट ट्रैक में मुकदमा चलाकर एक साल में निस्तारण किया जाए

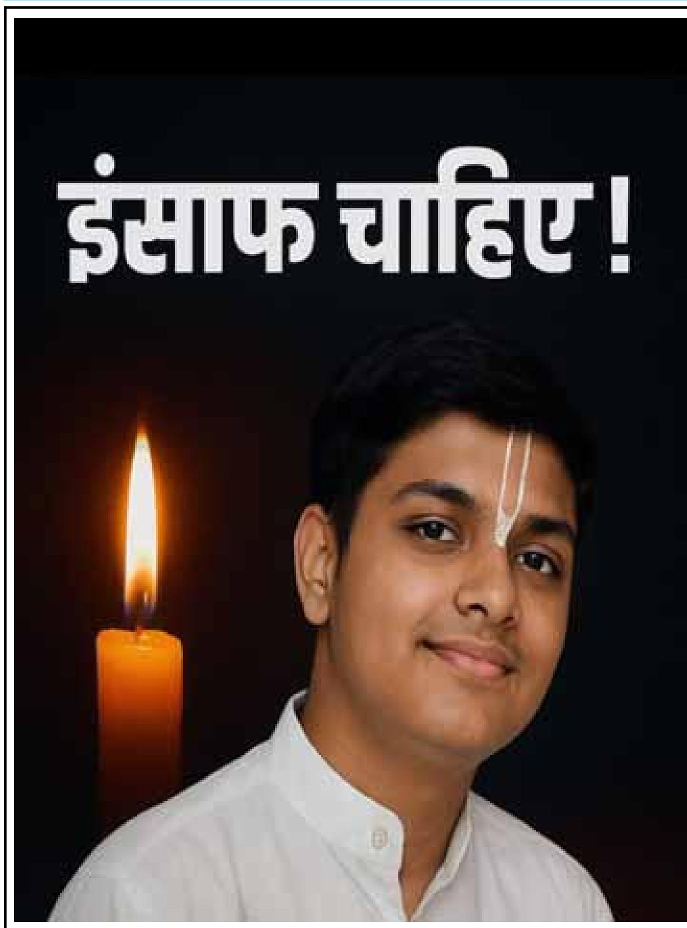

परिजनों की सरकार से मांग

केस को फास्ट-ट्रैक कोर्ट में चलाया जाए।
दोषियों को फांसी की सजा दी जाए।
मानिटरिंग कमेटी गठित कर सुनवाई की नियमित समीक्षा की जाए।
इसे रेयरेस्ट ऑफ रेयर केस घोषित किया जाए।
दो साल बाद भी कुशाग्र के परिवार को न्याय नहीं मिला, यह सवाल अब पूरे समाज से है कि आखिर न्यायपालिका असहाय है या उदासीन?

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर ।करीब दो वर्ष पूर्व, 30 अक्टूबर 2023 को रायपुरवा थाना क्षेत्र में हुई एक दर्दनाक घटना ने पूरे देश की आत्मा को झकझोर दिया था। जयपुरिया स्कूल का कक्षा 11 का छात्र कुशाग्र कनोडिया रोज़ की तरह कोचिंग के लिए घर से निकला था, लेकिन उस दिन वह कभी वापस नहीं लौटा।

पूर्व ट्यूशन टीचर रचिता के प्रेमी प्रभात शुक्ला और उसके साथी शिवा गुप्ता ने मिलकर फिरौती के लालच में कुशाग्र का अपहरण कर गला घोंट कर निर्मम हत्या कर दी थी।

शव उनके ही घर से बरामद हुआ था। पुलिस ने तत्काल तीनों को गिरफ्तार किया और सभी आरोपी आज तक कानपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं ।फिर भी दो साल बीत चुके हैं, लेकिन न्याय अब तक अधर में लटका है।

पीड़ित परिवार ने हाईकोर्ट में गुहार लगाई थी, जिसने आदेश दिया था कि एक वर्ष के भीतर मामले का निस्तारण हो। बावजूद इसके, सुनवाई में लगातार विलंब हो रहा है।

कुशाग्र के पिता मनीष कनोडिया न्याय की उम्मीद में बार-बार सूरत से कानपुर आते हैं, जबकि चाचा सुमित कनोडिया लखनऊ से कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। परिवार टूट चुका है, लेकिन उम्मीद अब भी बाकी है। मनीष कनोडिया (पिता) ने कहा कि हमारा बेटा अब नहीं लौटेगा, पर अगर हत्यारों को सज़ा नहीं मिली, तो समाज में गलत संदेश जाएगा,

सोशल मीडिया में चल रहा न्याय के लिए कैम्पेन

Twitter / Instagram / Facebook सहित अन्य सोशल मीडिया पर
#JusticeForKushagra

30 अक्टूबर 2023 – दो साल हो गए, पर न्याय आज भी अधूरा है। जयपुरिया स्कूल का छात्र कुशाग्र कनोडिया

जिसे उसके ट्यूशन टीचर और प्रेमी ने लालच में मार डाला, सभी आरोपी जेल में हैं, पर सज़ा नहीं। परिवार सूरत से कानपुर आता है हर पेशी पर, बस तारीख़ें मिलती हैं, फ़ैसला नहीं।

बीआरडी मैदान में ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता, बेटियों ने दिखाया दमखम!

एसडीएम संजीव दीक्षित ने फीता काटकर किया शुभारंभ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बीआरडी इंटर कॉलेज में आयोजित ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन किया। चारों तक उत्साह से लबरेज चेहरे कार्यक्रम की तासीर बढ़ा रहे थे जिनमें

चारो तरफ दिखे उत्साह से लबरेज चेहरे, विश्व कप जीतने वाली टीम से हुई तुलना

बालिकाओं की खेलकूदों में उपस्थिति उत्साहित करने वाली रही। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे एसडीएम बिल्हौर संजीव दीक्षित ने फीता काटकर किया। इसके बाद दो सफेद कबूतर उड़ाकर प्रतियोगिता की औपचारिक शुरुआत की गई।

एसडीएम ने हरी झंडी दिखाकर जूनियर वर्ग की दौड़ से प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया। अपने संबोधन में एसडीएम संजीव दीक्षित ने कहा कि दो दिन पहले क्रिकेट का विश्व कप जीतकर इंडिया लौटी महिला टीम का जिक्र करते हुए कहा कि देश - प्रदेश की सरकारों के साथ स्कूल के टीचरों की कोशिश उत्साहित करने वाली दिख रही है। उन्होंने कहा कि पढ़ें बेटियां बढ़ें बेटियां का स्लोगन सार्थक हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में यह पहल और भी बढ़िया कही जाएगी।

प्रतियोगिताओं में अव्वल रहे बच्चों को खंड शिक्षा अधिकारी रवी कुमार सिंह ने मेडल प्रदान कर पुरस्कृत किया। जूनियर बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ में नैना पीएम श्री मकनपुर प्रथम, 200 मीटर दौड़ में कंपोजिट रौगांव की सलोनी प्रथम, ऊंची कूद में आलियापुर की साक्षी प्रथम रहीं।

वहीं प्राथमिक स्तर की दौड़ 50 मीटर में कंपोजिट गड़रानी की प्रगति प्रथम, 100 मीटर दौड़ में बहरामपुर की साक्षी प्रथम, 200 मीटर दौड़ में पीएम श्री मकनपुर की नंदिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राथमिक स्तर बालक वर्ग की लम्बी कूद में गोहलिया पुर के अंश प्रथम, बालिका वर्ग में देवकली की नौशीन प्रथम स्थान पर रही। वहीं बालिका जूनियर वर्ग में कंपोजिट रौगाँव की सलोनी प्रथम रहीं।

उर्स तक अरौल स्टेशन पर 4 ट्रेनों का अस्थायी ठहराव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर नगर)। हज़रत कुतबुल मदार रहमतुल्लाह अलैह के ऐतिहासिक उर्स मेले में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की है। इज्जतनगर मंडल मुख्यालय द्वारा अधिसूचना संख्या 98/2025 जारी कर कई ट्रेनों को अरौल-मकनपुर स्टेशन पर अस्थायी ठहराव दिया गया है।

मुख्यालय गोरखपुर के आदेश संख्या टी/194/मेला स्पेशल/2025 दिनांक 04 नवम्बर 2025 के अनुपालन में यह ठहराव 07 नवम्बर से 10 नवम्बर 2025 तक प्रभावी रहेगा।रेल प्रशासन ने बताया कि यह व्यवस्था मेले में आने-जाने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखकर की गई है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह ठहराव केवल उर्स मेला अवधि तक रहेगा, जिससे श्रद्धालुओं को यात्रा में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

ट्रेनों को मिलेगा अस्थायी ठहराव

- 15037 कानपुर अनवरगंज-कासगंज एक्सप्रेस – आगमन 12:50 बजे, प्रस्थान 12:52 बजे
- 15038 कासगंज-कानपुर अनवरगंज एक्सप्रेस आगमन 16:37 बजे, प्रस्थान 16:39 बजे
- 14117 प्रयागराज-भिवानी एक्सप्रेस आगमन 19:45 बजे, प्रस्थान 19:47 बजे
- 14118 भिवानी-प्रयागराज एक्सप्रेस – आगमन 07:47 बजे, प्रस्थान 07:49 बजे

तहसीलदार ने किया मेला परिसर का निरीक्षण, दिए सख्त निर्देश

कल से शुरू होगा 609वां उर्स-ए-कुतबुल मदार, इंतजामिया कमेटी ने पूरी कीं तैयारियां

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर नगर)। ऐतिहासिक कस्बा मकनपुर में हज़रत कुतबुल मदार रहमतुल्लाह अलैह का 609वां सालाना उर्स कल से शुरू होगा। तीन दिवसीय यह उर्स 7 से 9 नवम्बर तक चलेगा। उर्स को लेकर इंतजामिया कमेटी ने तैयारियां पूरी कर ली हैं, वहीं प्रशासन ने भी सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर पुख्ता इंतजाम किए हैं।

बुधवार को तहसीलदार अनुभव चंद्रा ने मेला तहसील व गेस्ट हाउस का अचानक निरीक्षण किया। उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, बिजली व्यवस्था और आवागमन के प्रबंधों का जायजा लेते हुए संबंधित को सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ग्राम प्रधान मज़ाहिर हुसैन जाफरी ने मेला तहसील की टूटी बाउंड्री दुरुस्त कराने की मांग रखी, जिस पर तहसीलदार ने कहा कि मामले से अधिकारियों को अवगत कराते हुए कार्रवाई कराई जाएगी।

निरीक्षण उपरांत कमेटी सदस्यों ने तहसीलदार को दरगाह शरीफ ले जाकर पारंपरिक पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान दरगाह के सज्जादा नशीन व कमेटी पदाधिकारियों ने उन्हें दरगाह के इतिहास और

» प्रशासन ने किए सफाई व्यवस्था और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम।

उर्स की परंपरा से अवगत कराया।इस दौरान लेखपाल सुनील चौधरी समेत अन्य लोग मौजूद रहे। उधर, अरौल इंस्पेक्टर जनार्दन यादव ने उर्स को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए कई पुलिस टोलियाँ गठित की हैं। सभी टोलियों में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगा दी गई है। खुफ़िया विभाग भी सक्रिय हो गया है, जबकि प्रशासन ने भीड़भाड़ वाले इलाकों में पर्याप्त पुलिस बल और पीएसी की तैनाती की है, ताकि सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद बनी रहे। इंतजामिया कमेटी के अनुसार, जायरीन के लिए बिजली, पानी, प्रकाश, ठहरने और भीड़ नियंत्रण की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। तीन दिवसीय इस उर्स में देशभर से हजारों जायरीन दरगाह पर हाजिरी देने पहुंचेंगे।

सम्पादकीय

महिला क्रिकेट को नई ऊंचाई देगी कामयाबी

रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वो इतिहास रचा, जिसका दो दशक से इंतजार था। एक दिवसीय क्रिकेट का वर्ल्ड कप जीतकर उन्होंने उस कमी को पूरा किया, जो साल 2005 और 2017 में फाइनल में पहुंचकर भी हासिल न हो सकी थी। ऐसे वक्त में जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम को खिताबी दौड़ में कमजोर माना जा रहा था, उसने सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया टीम को सेमीफाइनल के एक रोमांचक मुकाबले में हरा दिया था।, जिसमें उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की टीम को 52 रन से हरा दिया। रविवार की रात हरमनप्रीत कौर की कप्तानी ने पासा ही पलट दिया। फिर उनकी टीम ने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में चालीस हजार से ज्यादा दर्शकों के बीच जीत का जश्न जमकर मनाया। इस जुनूनी जश्न की वे हकदार भी थीं। साथ ही देश के एक अरब चालीस करोड़ लोगों को भी जीत के जश्न में डुबो दिया। लोग इस साल होने वाले कई दुखांत घटनाक्रमों को भुला इस जीत की लय में झूम उठे। यह सुखद आश्चर्य ही था कि टीम ने लगातार तीन हार झेलने के बाद टूर्नामेंट में दमदार वापसी की। सेमीफाइनल में लोग सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम को कमतर आंक रहे थे। सुखद आश्चर्य देखिये कि फाइनल मुकाबले में हरियाणा की उस शैफाली वर्मा ने करिश्माई पारी खेली, जो विश्व कप के शुरू होने से पहले टीम का हिस्सा भी नहीं थी। उसने अपने चयन को तार्किक साबित किया। इसी तरह दीप्ति शर्मा ने भी शानदार खेल का परिचय दिया। निश्चय ही महिला क्रिकेट टीम की यह शानदार जीत देश की उन लाखों बेटियों के सपनों को नयी ऊंचाइयां देगी, जो अपना आसमान हासिल करना चाहती हैं।निस्संदेह, विश्वकप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शानदार जीत के दूरगामी परिणाम होंगे। इस खेल में टीम दीर्घकालिक वर्चस्व कायम रख सकती है। दरअसल, अब तक महिला क्रिकेट को दोयम दर्जे का माना जाता रहा है। और उन्हें आईपीएल-शैली की टी-20 लीग में दमखम दिखाने का मौका मिला, टीम के प्रदर्शन में अभूतपूर्व सुधार आया। धीरे-धीरे वे पुरुष क्रिकेट के सितारों की तरह आभा बिखेरने लगी। हालांकि, आगे की राह इतनी भी आसान नहीं है, उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल उनके पास इस कामयाबी का जश्न मनाने का मौका है। उल्लेखनीय है कि टीम में कई ऐसी खिलाड़ी हैं जिन्होंने तमाम आर्थिक-सामाजिक चुनौतियों का मुकाबला करके अपनी जगह बनायी। वे तपती पगडंडियों से गुजरने वाली बेटियों के लिये प्रेरणास्रोत हैं। इन खिलाड़ियों ने मैदान से पहले निजी जीवन में बड़ा संघर्ष किया। बेहद जटिल पृष्ठभूमि से आने के बावजूद वे विश्व विजेता टीम का हिस्सा बनी हैं। उनके साथ अभ्यास मैच खेलने के लिये लड़कियां नहीं होती थी, अतः वे शुरुआती क्रिकेट लड़कों की टीम के साथ खेलती थीं। उनके माता-पिता को समाज की छींटाकशी का भी शिकार होना पड़ता था। मध्यप्रदेश की क्रांति गौड़ ने आर्थिक बदहाली का जीवन जिया और प्रैक्टिस मैच के लिये पैसे की मदद न मिलने पर मां ने गहने तक बेचने पड़े। वक्त बदला है और आज मध्य प्रदेश सरकार ने उसे एक करोड़ का पुरस्कार देने की घोषणा की ।

पंजाब के लिए भी हरेक बिहारी की अहमियत

ज्योति मल्होत्रा

बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के जो भी नतीजे होंगे, उसका असर सबसे सीधे तौर पर पंजाब में महसूस किया जाएगा। क्योंकि पंजाब में बतौर प्रवासी श्रमबल बिहारी लोगों की बहुत बड़ी संख्या रहती है। बिहार विधानसभा के लिए भाजपा के चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कांग्रेस के खिलाफ अपनी टिप्पणी में पंजाब का जिक्र किया। गत सप्ताह की शुरुआत में, बिहार के मुज़फ़्फ़रपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक टिप्पणी में पंजाब में काम करने वाले बिहारी प्रवासियों के लिए हीनता-सूचक शब्द बरतने के लिए कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथ लिया, इसने पंजाब में 30 लाख की विशाल संख्या वाले कार्यबल पर फिर ध्यान खींचा, जबकि इनके बिना पंजाब में आज कोई भी परिवार काम नहीं चला सकता।

लेकिन इससे पहले कि आप यह तय कर लें कि पंजाब में बिहार-यूपी की यह प्रवासी आबादी 21वीं सदी के गिरमिटिया, यानी ब्रिटिश राज द्वारा दुनियाभर में गन्ने के खेतों में काम करवाने को ले जाए गए बंधुआ मज़दूरों का आधुनिक रूप है या नहीं, आइए इस तर्क का संदर्भ समझते हैं। सर्वप्रथम, पीएम मोदी की टिप्पणियां बिहार में बीजेपी की असाधारण पहुंच बनाने का हिस्सा हैं, जहां इसके सहयोगी दल के नीतीश कुमार पिछले 20 सालों से सत्ता पर काबिज हैं। इस अंतिम दौर में, बीजेपी के सभी शीर्ष नेता सियासी रूप से बेहद जागरूक इस राज्य में प्रचार के लिए अवतरित हैं – बीजेपी शासित छोटे से हरियाणा से भी 54 नेता चुनाव प्रचार में हैं, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी दो बार जा चुके हैं। द्वितीय, जैसे बीजेपी ने एक साल पहले हरियाणा में किया था, वह कोई कसर नहीं छोड़ेगी। वह विपक्ष को बिहार में सत्ता में आने से रोकने के लिए सब कुछ करेगी। बीजेपी जानती है कि महागठबंधन की जीत हुई तो बीजेपी की अजेयता की धारणा टूट जाएगी। साथ ही, यह विजय राहुल गांधी में 2026 में असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में नई ऊर्जा से चुनाव लड़ने का जोश भर देगी और फिर 2027 में पंजाब

के लिए भी तैयार कर देगी।यही वजह है कि मुज़फ़्फ़रपुर में नरेंद्र मोदी ने 2022 में तत्कालीन पंजाब कांग्रेस के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा की गई ‘यूपी के भैया’ वाली टिप्पणी का मुद्दा उछाला। मोदी बखूबी समझते हैं कि कांग्रेस, चाहे कितनी भी कमज़ोर व बंटी हुई हो – आज पंजाब इकाई में मुख्यमंत्री पद के कम से कम पांच दावेदार हैं – फिर भी वह देश में एकमात्र पार्टी है जो बीजेपी के संभावित विरोधियों को एकजुट कर सकती है। एक बार फिर, चन्नी को अपना बचाव करने को मजबूर होना पड़ा , जो 2022 में पंजाब में जबरदस्ती घुसने की कोशिश कर रहे थे ङ्क लेकिन सच यह है कि यह शब्द, ‘भैया’, एक तुच्छता-सूचक संबोधन है, जो गिरते पंजाबी आत्म-सम्मान में श्रेष्ठता भाव जगाने की गर्ज से है। कभी दूध और शहद की धरती रहा पंजाब अब लगातार मुश्किलों में घिरता जा रहा, क्योंकि वह एक ही वक्त में कृषि संकट, जो कई दशकों की भीषणतम बाढ़ से और बढ़ गया व करीब नदारद उद्योग जैसी समस्या से जूझ रहा है, जिससे सूबे का स्थान राज्यवार जीडीपी के बरक्स कर्ज के अनुपात में देश में दूसरे नंबर पर है (सिर्फ अरुणाचल प्रदेश की हालत इससे पतली है)।। खालीपन भरने को 2021 की कनाडा की जनगणना के अनुसार, वहां करीब 10 लाख पंजाबी (कुल आबादी का 2.6 फीसदी) हैं सीमांचल, पूर्वांचल, मगध और मिथिला से आए सांवले रंग के ‘भैया’ लोगों ने उनके द्वारा रिक्त रोजगार मौकों को भर दिया। कहा जाता है कि पंजाब की 30 लाख प्रवासी आबादी में 60 प्रतिशत बिहार और 21 प्रतिशत उत्तर प्रदेश के हैं। मतलब, तीन करोड़ वाले राज्य में आबादी के हिसाब से हर दस पंजाब वासियों में एक प्रवासी है।

इंसान को इंसान बनाने वाला हो धर्म

‘ईश्वर अल्ला तेरो नाम,

ज्वाला सिंह दास

हम तो ‘वसुधैव कुटुम्बकम?’ को मानने वाले हैं, सर्वे भवन्तु सुखिनः के दर्शन की बात करते है। ईश्वर की रची इस सृष्टि में आदमी और आदमी के बीच अंतर पैदा करके हम रचयिता को ही अपमानित करते हैं। अक्सर यानी जब भी धर्म या मज़हब के नाम पर इंसानियत को शर्मसार करने वाला कुछ घटता है तो उस अनाम शायर की यह पंक्ति दुहरा बैठता हूं-मज़हब बेनाम हो जाये तो सुकूं मिले। देखा जाये तो सारा झगड़ा तो नाम का ही है। किसी को हिंदू या मुसलमान नाम देकर हम अनायास उसे इंसानियत की ऊंचाई से नीचे गिरा देते हैं।

हम यह भूल जाते हैं कि हिंदू या मुसलमान से पहले भी वह कुछ था। यही ‘कुछ’ उसकी असली पहचान है। मंदिर में आरती करने से पहले, मस्जिद में नमाज़ पढ़ने से पहले या फिर गिरजाघर में ‘गॉड’ को याद करने से पहले हम सब इंसान हैं, यह बात पता नहीं हम क्यों भूल जाते हैं। ज़रा सा सोचने की बात है कि जब कोई पैदा होता है तो उसका किसी धर्म को मानने वाला होना इस बात से तय हो जाता है कि वह किस परिवार में पैदा हुआ या हुई। और वह किस परिवार में पैदा हुआ इसमें पैदा होने वाले की कोई भूमिका नहीं होती। ऐसे में यह सवाल तो उठना ही चाहिए न कि यह कैसा आधार है किसी के हिंदू या मुसलमान या किसी और धर्म को मानने वाला होने का? सवाल यह भी है कि जब किसी का धर्म तय होने में उसकी कोई भूमिका ही नहीं है तो धर्म के नाम पर आपस में झगड़ने की क्या तुक है? और यह ‘झगड़ा’ भी कितने

बचकाने तरीके से होता है। हाल ही महाराष्ट्र के पुणे से एक खबर आयी थी। खबर पेशवाओं के एक किले शनिवारवाड़ा से जुड़ी है। अब यह किला प्राचीन स्मारक के रूप में संरक्षित है। पेशवाई इतिहास के इस स्मारक को देखने रोज़ अनेक पर्यटक पहुंचते हैं। ये पर्यटक किसी भी धर्म के मानने वाले हो सकते हैं। कुछ ही दिन पहले कुछ मुसलमान महिलाएं यह किला देखने पहुंची थीं। पता नहीं क्या सोच कर वे वहीं एक जगह चादर बिछाकर नमाज़ पढ़ने बैठ गयीं। कोई कहीं भी बैठकर अपने प्रभु को याद करे इसमें भला किसी को क्या आपत्ति होनी चाहिए। पर इस कृत्य से कुछ लोगों को आपत्ति है। पता नहीं क्यों किसी को यह ज़रूरी लगा कि नमाज़ पढ़ती उन महिलाओं का वीडियो बनाकर वायरल किया जाये। सोशल मीडिया पर यह दृश्य देखकर कुछ लोग अप्रसन्न हुए। उन लोगों को लगा कि शनिवारवाड़ा में चार-छह लोगों द्वारा नमाज पढ़ने से वह जगह अपवित्र हो गयी है! उन्होंने वहां पहुंचकर गौमूत्र से उस जगह का शुद्धीकरण किया। यह बात समझना आसान नहीं है कि ‘खुदा’ का नाम लेने से ‘ईश्वर’ की वह जगह अपवित्र कैसे हो गयी? हमारा धर्म तो यह मानता है कि कण-कण में ईश्वर बसता है, पर धर्म को मानने वाले हम यह नहीं मानना चाहते कि ईश्वर के शुद्धीकरण की कल्पना ही अपने आप में ओछे सोच वाली बात है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी अपने आश्रम में सर्वधर्म प्रार्थना किया करते थे। सारे आश्रमवासी मिलकर सब धर्मों की प्रार्थनाएं बोला करते थे। इन्हीं प्रार्थनाओं में बापू का प्रिय भजन भी था-- रघुपति राघव राजाराम...। दांडी मार्च के दौरान बापू का यह भजन बहुत लोकप्रिय हुआ था। कहते हैं इसकी रचना संत प्रवर लक्ष्मणाचार्य ने की थी। लेकिन बापू जिस भजन को गाया करते थे, गवाया करते थे, उसमें संभवतः उन्होंने ही कुछ जोड़ा अवश्य था। वह जोड़ा हुआ अंश है-- ‘ईश्वर अल्ला तेरो नाम, सबको सन्मति दे भगवान।’लोकप्रिय हुआ था यह भजन। आज भी यह भजन धार्मिक कार्यक्रमों से लेकर राजनीतिक सभाओं में भी गाया जाता है।

कुछ अर्सा पहले पटना की एक राजनीतिक सभा में एक भोजपुरी गायिका जब इसे गा रही थीं तो कुछ लोगों ने प्रतिवाद किया।

ललकीपुरवा में एक उम्मीद बनी राहत की किरण, शुरू हुआ सफाई अभियान

ग्रामीणों ने सफाई टीम को दिया धन्यवाद, कहा अब मिली राहत की सांस

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। घाटमपुर का ललकीपुरवा गांव, जहां लोग वर्षों से कीचड़ और गंदगी भरी गलियों से गुजरने को मजबूर थे, अब राहत की सांस ले रहे हैं। पत्रकार व समाजसेवी राहुल यादव के अथक प्रयास और एक उम्मीद जनकल्याण सेवा समिति की सक्रियता ने वह कर दिखाया, जो प्रशासन महीनों से नहीं कर सका था।

गांव की दुर्दशा को सोशल मीडिया पर उठाने के बाद मामला एक उम्मीद जन कल्याण सेवा समिति समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित यादव के संज्ञान में आया। उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए कानपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष पवन चौहान को मौके पर निरीक्षण के निर्देश दिए। पवन चौहान के नेतृत्व में टीम ने सोमवार को गांव पहुंचकर कीचड़ और जलभराव की भयावह स्थिति देखी गई। निरीक्षण के बाद अधिकारियों से बातचीत कर तत्काल राहत कार्य शुरू करवाने का आग्रह किया गया।

टीम की पहल के बाद मंगलवार से गांव में जेसीबी मशीनें लगाकर मलबा हटाने और बंद पड़ी नालियों को खोलने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। मजदूरों ने सफाई अभियान को गति दी, जिससे ग्रामीणों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई है। ग्रामवासी राहुल यादव की इस पहल को गांव के लोग आशा की किरण बता रहे हैं। वहीं, उन्होंने एक उम्मीद टीम का भी हृदय से आभार व्यक्त किया।हालांकि, इस सकारात्मक परिवर्तन के बीच एक सच्चाई यह भी उजागर हुई कि जब तक किसी समस्या को सोशल मीडिया या समाचारों में जगह नहीं मिलती, तब तक अधिकारी उस पर ध्यान नहीं देते। ग्रामीणों ने कहा कि यह व्यवस्था की कमजोरी है और सरकार को ऐसे मुद्दों पर स्वतः संज्ञान लेने की प्रणाली विकसित करनी चाहिए।फिलहाल, ललकीपुरवा के लोग वर्षों की परेशानी के बाद मिली इस राहत पर खुश हैं और यह साबित हो गया है कि अगर एक उम्मीद जाग जाए, तो बदलाव नामुमकिन नहीं।

फेसबुक पर दोस्ती दुष्कर्म के बाद भेजे अश्लील वीडियो

» बच्चों की हत्या की धमकी देकर करता रहा ब्लैकमेल

» चकेरी पुलिस ने दुष्कर्म की धाराओं में केस दर्ज किया

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। सोशल मीडिया पर शुरू हुई एक दोस्ती ने महिला की जिंदगी को नर्क बना दिया। चकेरी क्षेत्र में एक युवक ने फेसबुक पर महिला से दोस्ती कर झांसे में लेकर दुष्कर्म किया, उसका अश्लील वीडियो बनाया और विरोध करने पर बच्चों की हत्या की धमकी देकर लगातार ब्लैकमेल करता रहा।

रामादेवी निवासी पीड़िता ने बताया कि मई 2021 में उसकी फेसबुक पर मुलाकात उन्नाव सफीपुर निवासी निर्मल कुमार से हुई थी, जो वर्तमान में बर्रा विश्वबैंक में रहता है। धीरे-धीरे मेलजोल बढ़ा और युवक ने घर आना-जाना शुरू कर दिया। इसी दौरान उसने नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने लगा।महिला का कहना है कि विरोध करने पर आरोपी ने उसके बच्चों को जान से मारने की धमकी दी और कई बार जबरन शारीरिक संबंध बनाए। बात यहीं नहीं रुकी आरोपी ने अपने दोस्तों से भी संबंध बनाने का दबाव डाला। जब उसने इसकी शिकायत आरोपी के स्वजन महेश नारायण और गीता देवी से की, तो उन्होंने भी धमकाना शुरू कर दिया। मिलने से इन्कार करने पर निर्मल ने महिला का अश्लील वीडियो रिश्तेदारों को भेज दिया, जिससे वह मानसिक रूप से टूट गई। आखिरकार पीड़िता ने चकेरी थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि दुष्कर्म, धमकी और आईटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है। इधर, बाबूपुरवा क्षेत्र में भी छात्रा से छेड़छाड़ और धमकी का मामला सामने आया है। छात्रा के पिता ने बताया कि शिकायत के बावजूद कार्रवाई न होने से आरोपी के हौसले बुलंद हैं। वह अब स्कूल और कोचिंग के रास्ते में बेटी को रोककर बात करने का दबाव डालता है और एडिट की गई अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी दे रहा है।

शादी वाले घर से 15 लाख की चोरी

» बेटी डॉ. शिल्पी जीएसवीएम मेडिकल कालेज में असिस्टेंट प्रोफेसर है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सिपाही की मेडिकल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर बेटी की गेस्ट हाउस में एक तरफ शादी चल रही थी और दूसरी तरफ घर से 15 लाख की चोरी हो गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। मूलरूप से कानपुर देहात के शिवली थानाक्षेत्र के फत्तेपुर गांव के रहने वाले चंद्रशेखर सिपाही हैं। वह फतेहगढ़ में एसपी ऑफिस में वेतन भुगतान दफ्तर में तैनात हैं। तीन साल से वह बगदौधी कछार में अपना मकान बनवा कर रह रहे हैं।

उनकी बेटी डॉ. शिल्पी जीएसवीएम मेडिकल कालेज में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। डॉ. शिल्पी की शादी तीन नवंबर को बिठूर साईं दरबार के पास स्थित गेस्ट हाउस से थी।

परिजन घर में ताला बंद करके शादी में शामिल होने गेस्ट हाउस गए थे। देर रात पड़ोसी नरेंद्र सैनी गेस्ट हाउस से लौटे तो उन्होंने चंद्रशेखर के घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा देखा। इसके बाद उन्होंने परिजनों को सूचना दी। सूचना पर सिपाही का बेटा अंशू मौके पर आया। उसने घर के अंदर जाकर देखा तो घर के कमरों के दरवाजे और अलमारी की तिजोरियां टूटीं थीं।तिजोरी में रखे 7.75 लाख रुपये और मां कांति देवी के करीब साढ़े सात लाख रुपये सोने व चांदी के जेवर गायब थे। बिठूर इंस्पेक्टर प्रेम नारायण विश्वकर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

दुल्हन बनी बेटी को नहीं दी चोरी की सूचना

परिजनों के अनुसार, जब चोरी की जानकारी हुई तब जयमाल की रस्म चल रही थी लेकिन शादी की खुशियों में चोरी की सूचना से माहौल का उत्साह कम न हो जाए तो इसके लिए बेटी को इसके बारे में सूचना नहीं दी।

भूपेश अवस्थी और बेटे रोहित का गैर जमानती वारंट जारी, पुलिस ने तेज की तलाश

»प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

» महिला कारोबारी से मारपीट-लूट के मामले में दोनों फरार, कई ठिकानों पर छापेमारी

कानपुर। साकेत नगर की महिला कारोबारी से मारपीट और लूट के मामले में फंसे कर्मचारी नेता भूपेश अवस्थी और उनके अधिवक्ता पुत्र रोहित अवस्थी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने अब क्राइम ब्रांच को भी मोर्चे पर उतार दिया है। अदालत से गैर-जमानती वारंट जारी होने के बाद दोनों की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दोनों पर साकेत नगर निवासी महिला कारोबारी के साथ मारपीट, चेन तोडने़ और लूटपाट के आरोप हैं।

यह मामला वर्ष 2011 में किदवई नगर थाने में दर्ज हुआ था, जिसमें अखिलेश दुबे और अनुज निगम भी आरोपी बनाए गए थे। जांच अधिकारी ने कुछ घंटों में ही फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी, लेकिन बाद में महिला की शिकायत पर कोर्ट के आदेश से पुनर्विवेचना शुरू की गई। पुलिस का कहना है कि भूपेश अवस्थी और उनके पुत्र रोहित अवस्थी को कई बार समन भेजे गए, लेकिन वे अदालत में पेश नहीं हुए। दोनों ने शपथ पत्र में खुद को क्रमश- लखनऊ और दिल्ली में बताया, मगर कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया। कोर्ट ने इसे अस्वीकार कर गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया। कमिश्नरी पुलिस ने बताया कि दोनों की गिरफ्तारी के लिए अब क्राइम ब्रांच की टीम भी सक्रिय कर दी गई है। लगातार दबिशें दी जा रही हैं, लेकिन अब तक दोनों का कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाएगा।

जाजमऊ में एरिगेशन चैनल की दीवार ढही, नगर निगम अमला पहुंचा

नगर निगम की त्वरित कार्रवाई से शाम तक मलबा हटाया गया, जल प्रवाह बहाल करने के निर्देश

»प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। जाजमऊ क्षेत्र में स्थित एरिगेशन चैनल की पुरानी दीवार बुधवार सुबह अचानक गिर गई। सूचना मिलते ही प्रशासन और नगर निगम के अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों के अनुसार यह दीवार करीब 50 वर्ष पूर्व निर्मित की गई थी और काफी समय से जर्जर अवस्था में थी। दीवार गिरने से कुछ समय के लिए यातायात बाधित हुआ और जल प्रवाह भी प्रभावित हुआ।घटना की जानकारी मिलते ही मुख्य अभियंता, अधिशासी अभियंता व अन्य वरिष्ठ अधिकारी स्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। नगर निगम की संयुक्त टीम ने मौके पर निरीक्षण कर स्थिति का आकलन किया और तत्काल प्रभाव से आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ कराई।जनहित में त्वरित कार्रवाई करते हुए नगर निगम द्वारा जल प्रवाह का डाइवर्जन कराया गया और दीवार की मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण कार्य शाम 6 बजे से प्रारंभ कर दिया गया। इसके साथ ही निगम टीम ने स्थल से मलबा हटवाने का कार्य पूरा किया तथा संबंधित विभागों को सतर्क रहने व कार्य की निरंतर मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए हैं।

नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि मरम्मत स्थल के आसपास अनावश्यक रूप से न ठहरें और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन को सहयोग करें।

पुरानी रंजिश में वृद्ध की गोली मारकर हत्या

» पत्नी की तहरीर पर नौ पर रिपोर्ट दर्ज, पांच हिरासत में

»प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। गगनी खेड़ा गांव में बुधवार देर रात पुरानी रंजिश में आरोपियों ने घर में घुसकर वृद्ध की तमंचे से सटाकर गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद पुलिस ने पांच आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शुक्लागंज में कोतवाली गंगा घाट क्षेत्र के पश्चिमी चौकी अंतर्गत गंगनी खेड़ा गांव में रहने वाले वृद्ध की बुधवार देर रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। वृद्ध को गले में सटाकर गोली मारी गई। मृतक की पत्नी महादेई की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर नौ लोगों के खिलाफ हत्या की धारा में रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, पांच आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

गगनी खेड़ा निवासी हीरालाल (80) रोज की तरह अपनी बेटी सरला के घर चारपाई पर सो रहे थे। तभी बुधवार देर रात गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई। सरला की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। पुलिस को दी गई तहरीर में बताया गया कि आरोपी गढ़ सोनू, राजकुमार, जितेंद्र, महेश निषाद, गोविंद, संतोष, अमन, मनटानी व मनोज निवासी गढ़ गगनी खेड़ा दीवार फांदकर घर में घुस आए।

पांच आरोपियों को पकड़कर पूछताछ जारी

इसके बाद पुरानी रंजिश को लेकर गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे, जिसका इन्होंने विरोध किया।

इसी दौरान चारपाई पर लेटे इनके पिता के गले में तमंचे से सटाकर गोली मार दी गई। कोतवाली गंगा घाट प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि पांच आरोपियों को पकड़कर पूछताछ की जा रही है। शेष आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम लगाकर दबिश दी जा रही है।

नौ आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम, साइबर सेल और एसओजी टीम ने भी जांच की है। शव को सील कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मामले की जांच की जा रही है। वहीं, क्षेत्र में इस बात की चर्चा रही है कि कुछ माह पूर्व गगनी खेड़ा में एक किशोर की हत्या गोली मारकर की गई थी। उसी की रंजिश को लेकर यह हत्या भी हुई है। सभी नौ आरोपियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में की आत्महत्या

» परिजनों ने ससुराल वालों पर लगाया उत्पीडऩ का आरोप

»प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। मंगलपुर थाना क्षेत्र के गढिय़ा सिकंदरा गांव में बुधवार को एक महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंचे ननिहाल पक्ष ने ससुराल पक्ष पर उत्पीडऩ का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

मृतका की पहचान 25 वर्षीय शिवानी के रूप में हुई है।फरवरी 2025 में गढिय़ा सिकंदरा निवासी लवकुश उर्फ लोकेंद्र तोमर से शिवानी की शादी हुई थी।शिवानी घाटमपुर में अपने मामा मनोहर सिंह के पास पली बड़ी थी।

बुधवार को शिवानी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।घटना की जानकारी होने पर परिजनों ने शिवानी को हवासपुर सीएचसी पहुंचाया।जहां मौजूद चिकित्सक ने परीक्षण उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया।सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक मंगलपुर महेश कुमार ने तत्काल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच की। मृतका के भाई टोडरपुर मैनपुरी निवासी आयुष चौहान ने ससुराल वालों पर उत्पीडऩ का आरोप लगाया। प्रभारी निरीक्षक महेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

(कानपुर देहात भाजपा में वर्चस्व युद्ध...)

अकबरपुर सीट बनी 'बारूद का ढेर' देहात से नगर तक उठी सियासी गर्मी

अनूप अवस्थी स्वराज इंडिया

» भोले और पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी के बीच चल रही तनातनी अब खुलकर सियासी जंग का रूप ले चुकी है

कानपुर। विधानसभा चुनाव 2027 से पहले भाजपा कानपुर देहात में अंतर्कलह की आग में झुलसती नजर आ रही है। सांसद देवेंद्र सिंह भोले और पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी के बीच चल रही तनातनी अब खुलकर सियासी जंग का रूप ले चुकी है।हाल में जिला पंचायत की दिशा समिति की बैठक में दोनों नेताओं के बीच हुई तीखी नोकझोंक का वीडियो पार्टी नेतृत्व तक पहुंच चुका है, जिसके बाद सियासी गलियारों में हलचल तेज है।

अकबरपुर संसदीय सीट को लेकर लंबे समय से चल रही खींचतान अब पार्टी संगठन के लिए सिरदर्द बन चुकी है।

वारसी ब्राह्मण समाज से आते हैं, जबकि भोले सिंह क्षत्रिय वर्ग से ऐसे में जातीय खेमेबाजी भी पार्टी की एकता पर भारी पड़ती दिख रही है।

कानपुर देहात की चारों विधानसभा सीटें भाजपा के पास हैं और इनमें से तीन विधायक प्रदेश सरकार में मंत्री हैं, बावजूद इसके अकबरपुर लोकसभा सीट पर भाजपा लगातार कमजोर साबित हो रही है।राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि विवाद जल्द नहीं थमा, तो 2027 के विधानसभा चुनाव में यह कलह भाजपा को भारी नुकसान पहुँचा सकती है।राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि ऐसी ही गुटबाजी का नतीजा था कि पिछले लोकसभा चुनाव में इटावा, कन्नौज और जालौन–गरौठा सीटें भाजपा के हाथ से निकल गई थीं।

अगर इस बार भी विवाद पर समय रहते नियंत्रण नहीं हुआ, तो अकबरपुर संसदीय क्षेत्र भाजपा के लिए अगली चुनावी चुनौती बन सकता है।

फोन पर नई आग- वारसी बोले बैठकर बात करें, भोले ने किया इनकार

बैठक विवाद के बाद अब एक टेलीफोनिक रिकॉर्डिंग वायरल हो रही है, जिसमें पूर्व सांसद वारसी सांसद भोले से आपस में बैठकर बात करने की बात कहते सुनाई दे रहे हैं।

वारसी का कहना है कि विवाद का कारण गुड्डन सिंह हैं, जबकि भोले सिंह रिकॉर्डिंग में यह कहते सुने गए कि अब ऐसे बैठकर बात नहीं होगी,

मुख्यमंत्री या पार्टी नेतृत्व के सामने ही बात होगी। हालांकि ये रिकॉर्डिंग थाना अकबरपुर में धरना प्रदर्शन के समय की बताई जा रही है।

हालांकि, स्वराज इंडिया इस वायरल रिकॉर्डिंग की पुष्टि नहीं करता।

वारसी ने मांगी सुरक्षा, कहा-मेरी हत्या करवा सकते हैं भोले सिंह

विवाद बढ़ने के बाद पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी ने एसपी और डीएम को पत्र लिखकर अपनी सुरक्षा की मांग की है।

उनका आरोप है कि सांसद देवेंद्र सिंह भोले से उन्हें जान का खतरा है। दूसरी ओर, भोले सिंह ने इस विवाद पर फिलहाल कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

महेशपुर गौशाला में मृत गौवंश को कुत्तों ने नोचा, केयरटेकर नदारद वीडियो वायरल

गोवंश संरक्षण में अफसरों की अनदेखी

» गौशाला के अंदर देखने को मिली मानवता को झकझोरने वाली तस्वीर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सिकंदरा तहसील क्षेत्र के महेशपुर गांव स्थित गौशाला में लापरवाही का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें गौशाला के अंदर एक मृत गौवंश को आवारा कुत्ते नोचकर खाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में यह भी स्पष्ट है कि उस समय गौशाला में कोई केयरटेकर मौजूद नहीं था। स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

एक और शासन से लेकर जिला प्रशासन तक अन्ना गोवंश को गौशाला एवं नंदी शालाओं में संरक्षित कर उनके संरक्षण के लिए लगातार निर्देश जारी किए जा रहे हैं। लगातार जिला प्रशासन गौशालाओं की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दे रहा है, लेकिन ब्लॉक स्तर पर तैनात एडीओ पंचायत एवं ग्राम सचिवों की लापरवाही से अस्थाई स्थाई आश्रय केंद्र गोवंश के लिए कब्रगाह बनती जा रही है। जिले के डीएम कपिल सिंह एवं सीडीओ लक्ष्मी नागप्पन लगातार गौशालाओं की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के लिए समीक्षा बैठकर आयोजित कर रहे हैं बैठकों में ग्राम सचिवों से लेकर समस्त जिम्मेदार अधिकारियों को जवाब देह बनाते हुए नोडल अधिकारियों तक की तैनाती भी पूर्व में की गई थी।लेकिन जिले के अफसरो के निर्देश ब्लाकों पर बैठे कर्मचारी हवा में उड़ा रहे है।

इससे गौशालाओं की हालत सुधार नहीं रही है और भूखे पेट गोवंश गौशाला में तड़प तड़प कर दम तोड़ते सोशल वायरल वीडियो पर नजर आ रहे हैं। नाम न छापने की शर्त पर ग्रामीणों का कहना है कि गौशाला में गौवंशों के लिए न तो उचित देखभाल की व्यवस्था है और न ही जिम्मेदार अधिकारी यहां निरीक्षण के लिए आते हैं। मृत गौवंश को समय पर दफन न किए जाने के कारण ऐसे हालात पैदा हो गए हैं। ग्रामवासियों का आरोप है कि गौशाला प्रशासन की लापरवाही के चलते यहां गौवंश बदहाल स्थिति में जी रहे हैं। गौशाला में चारा–पानी की कमी भी बताई जा रही है।

क्या बोले जिले के अधिकारी.

इस संबंध में जिले की मुख्यविकास अधिकारी लक्ष्मी एन से संपर्क किया है। बैठक मे व्यस्त होनी की बात बताई गई है। वही राजपुर बीडीओ से जानकारी करने के लिए रिपोर्टर ने तीन बार संपर्क किया है जिसमें बीडीओ के द्वारा रास्ते में होने के कारण फोन कट दिया है। जिससे साफ जाहिर हो रहा है अफसरों की मनमानी खुलकर सामने आ रही है।

गुमशुदा बच्ची को ढूंढकर पुलिस ने परिजनों को लौटाई मुस्कान

कार्तिक पूर्णिमा मेले में दुर्वासा ऋषि आश्रम से खो गई थी कृतिका

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कार्तिक पूर्णिमा पर थाना क्षेत्र बरौर स्थित ऋषि दुर्वासा आश्रम के सेंगर नदी घाट पर लगे मेले में खोई एक साढ़े तीन साल की बच्ची को पुलिस टीम ने अथक प्रयास से ढूंढ निकाला और उसके परिजनों को सौंप दिया। शाम करीब 5:30 बजे ऋषि दुर्वासा आश्रम के घाट पर फूल की दुकान लगाने वाली लक्ष्मी देवी, पत्नी दुर्गा प्रसाद सैनी, अपनी बच्ची के गुम हो जाने से परेशान होकर रो रही थीं। मौके पर ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल ने सूचना मिलते ही खोज शुरू की। थानाध्यक्ष बरौर अमिता वर्मा के नेतृत्व में महिला कांस्टेबल हेमा सोनी, मनीषा मौर्या, हेड कांस्टेबल यशवीर आदि ने बच्ची कृतिका को मेले व आस–पास के क्षेत्रों में गहनता से खोजा। लगभग 6:00 बजे पुलिस टीम ने कृतिका उर्फ लाडो को सकुशल मेले में ही खोज निकाला गया। बच्ची को उसकी मां लक्ष्मी को सकुशल सुपुर्द किया गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

सनातन संस्कृति और नारी शक्ति के संग दमक उठे गंगा घाट

ऑपरेशन सिंदूर थीम पर सजी देव दीपावली, राफेल बना आकर्षण का केंद्र

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।पावन कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर गंगा देव दीपावली समिति द्वारा आयोजित देव दीपावली महोत्सव इस बार ऑपरेशन सिंदूर थीम और नारी शक्ति को समर्पित रहा। सनातन संस्कृति, राष्ट्रभक्ति और सामूहिक आस्था का अनोखा संगम बनकर यह पर्व कानपुर के घाटों पर दिव्य आभा बिखेर गया।

24 गंगा घाटों पर दीपों की जगमगाहट और गंगा आरती की मनमोहक स्वर-लहरियों ने सम्पूर्ण वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। मुख्य कार्यक्रम सरसैया घाट पर सम्पन्न हुआ, जहाँ एक दीप वीरों के नाम के तहत हजारों दीप प्रवाहित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इस वर्ष राफेल विमान की प्रतिकृति आकर्षण का केंद्र रही, जिसने देश की सामरिक शक्ति और आधुनिक भारत के आत्मविश्वास का प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में समिति के महामंत्री प्रवीण कुमार शुक्ला, उपाध्यक्ष आशीष पांडे, मनीष त्रिपाठी, गौरव गुप्ता, सौरभ पाल, संतोष चौधरी, नरेंद्र यादव, अमित अग्रवाल, सर्वोत्तम तिवारी, निशा अग्रवाल, अखिल खरे, पूनम मिश्रा, तरुण दिवाकर, मनीष मिश्रा, आशुतोष ओमर, और दिनेश भावनानी सहित अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कानपुर विश्वविद्यालय की छात्राओं में संध्या वर्मा, माही शर्मा, सुष्मिता, नैना चौबे, राशी सिंह, शैलजा सोनी, कृति सिंह और रवि मिश्रा को सम्मानित किया,

जिन्होंने वीर शहीदों को नमन करतीं देशभक्ति-प्रधान रंगोलियाँ बनाईं।

गंगा देव दीपावली समिति वर्ष 2011 से निरंतर इस पावन परंपरा का निर्वहन कर रही है। यह आयोजन केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक एकता का संदेश भी देता है। इस महोत्सव के सफल आयोजन में प्रशासन, पुलिस, समाजसेवी संस्थाओं और स्थानीय नागरिकों का उल्लेखनीय योगदान रहा।गंगा की आरती, दीपों की ज्योति और नारी शक्ति का गौरव यही है भारत की सनातन पहचान।

स्कूल वैन गड्ढे में पलटी, नौ बच्चे घायल, तीन गंभीर

» बच्चों को स्कूल ले जाते वक्त हुआ हादसा, मचा हड़कंप

» ग्रामीणों ने बच्चों को बाहर निकाला, घायल छात्र हैलट रेफर

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। शिवली थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह बड़ा हादसा हो गया जब एसजीएम चिल्ड्रेन एकेडमी की ईको वैन अनियंत्रित होकर खड्ड में पलट गई। इस दुर्घटना में नौ बच्चे घायल हो गए। जिनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर वाहन कब्जे में ले लिया है।

घटना मैथा कस्बे के पास जरेला पुरवा गांव की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, स्कूल की ईको वैन सुबह बच्चों को लेने निकली थी। वापसी के दौरान हथिका मार्ग पर वैन अनियंत्रित होकर खड्ड में जा गिरी। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। ग्रामीण मौके पर पहुंचे और किसी तरह वैन में फंसे बच्चों को बाहर निकाला।घायल छात्रों में अमन पाल (12), पंकज पाल (12), उत्कर्ष पाल (9), तान्या पाल (11), निशु पाल (11), रोशनी (13), हर्षित पाल (13), मानस पाल (13) और रितेश पाल (7) शामिल हैं। सभी को मैथा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से अमन, सीटू और उत्कर्ष को हालत गंभीर होने पर हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया।थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर चालक विजय बहादुर पुत्र राजकुमार सिंह निवासी ग्राम बालेथा थाना रूरा को हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है, रिपोर्ट आने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत, तीन की हालत नाजुक

» घटना से परिवार में छाया मातम, रसूलाबाद क्षेत्र में हो रही लगातार दुर्घटनाएं

» प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के मलिखानपुर गांव के सामने भट्ठा के निकट अज्ञात कार की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई। जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पारिवारिक जन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूलाबाद पहुंचे। जहां चीख- पुकार मच गई।

जनपद कन्नौज के उमर्दा ब्लाक क्षेत्र के अंतर्गत निकारीपुर निवासी गुंजन यादव (30) अपने मित्र सत्येंद्र के साथ कानपुर में रिश्तेदारी में एक इंगेजमेंट समारोह से वापस बाइक से अपने घर लौट रहा था। अभी वह रसूलाबाद पार करके मलिखानपुर गांव के समीप भट्ठे के निकट ही पहुंचा था कि विपरीत दिशा से अज्ञात कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। वही पीछे से आ रहे दो अन्य बाइक सवार पिंटू वर्मा 30 निवासी लालगांव व उसका साला पुरुषोत्तम निवासी मित्रसेनपुर कहिंजरी को भी अज्ञात कार ने टक्कर मार दी। जहां घटना से गुंजन यादव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सीएचसी में डॉक्टर सौरभ शाक्य ने गुंजन यादव को मृत घोषित किया तो वहीं तीन अन्य घायलों का प्राथमिक उपचार करने के बाद हैलट कानपुर रेफर कर दिया। जहां अभी भी तीनों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि मामले में तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

'संजय' को हैलट का नहीं दिखता 'काला सच' !

» कुछ मरीजों की हालात हुई बद्तर तो किया लखनऊ पीजीआई रिफर

» भ्रष्टाचार और अव्यवस्था पर खूब चल रहा खेल, निजीकरण के हित में कराहते मरीज सिसकती जिंदगी

गणेश शंकर विद्यार्थी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ संजय काला हैलट पीजीआई के काले सच पर पर्दा डालने का काम कर रहे हैं

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। महाभारत के युद्ध का आंखों देखा हाल धृतराष्ट्र को बताने के लिए संजय के पास दिव्य दृष्टि थी। उन्होंने बिन सच छुपाए अपनी दिव्य दृष्टि से युद्ध की सच्चाई बयां की। लेकिन शहर के प्रतिष्ठित गणेश शंकर विद्यार्थी चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य संजय काला हैलट पीजीआई के काले सच पर पर्दा डालने का काम कर रहे हैं। जी हां यह हम नहीं कह रहे यहां के पीड़ित मरीज और तीमारदार खुद यहां के काले चिट्ठे खोल रहे हैं। प्राचार्य संजय काला मीडिया में हैलट पीजीआई के सच को छुपा कर शेखी जरूर बघार लें लेकिन यहां की बद्इंतजामी और अव्यवस्थाओं की फेहरिस्त मरीजों को गंभीर दर्द दे रहीं हैं।

सुविधाओं के नाम पर सिर्फ बिल्डिंग दिख जाएगी लेकिन यहां न डाक्टर दिखेंगे न मेडिकल स्टाफ। चिकित्सा जांचे भी प्राईवेट होंगीं दवाएं मेडिकल स्टोर से मंगाईं जाएंगी। यह पीजीआई चिकित्सा स्वास्थ्य के नाम पर खड़ा पीजीआई सच मायने में जनता के साथ बड़ा मजाक और जनता के करोड़ों बजट का भ्रष्टाचार है।

अपनी आँखें खोलो काला साहब

पांच दिनों से हैलट पीजीआई के न्यूरो विभाग में भर्ती मरीज को ढेलाभर भी फायदा नहीं हुआ। हजारों खर्च होने के बावजूद स्थिति बद्तर होती गई। आखिरकार हैलट पीजीआई के डाक्टरों ने डिस्चार्ज लेटर थमा कर लखनऊ पीजीआई रिफर कर दिया। वहीं कैंधा के मुरारीलाल सिंह के दामाद अकबरपुर कानपुर देहात निवासी हुकुम सिंह यहां चोट लगने के बाद इलाज के लिए भर्ती हुए थे। मुरारीलाल ने बताया कि हुकुम सिंह को पीजीआई के आईसीयू में रखा गया। 25 दिन इलाज हुआ और 50 हजार से अधिक रुपया खपा चुके लेकिन स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही तो उन्होंने प्राईवेट अस्पताल का रुख कर लिया। रामा देवी के विनोद कुमार के भाई विक्रम लिवर की समस्या से ग्रसित हैं कोई फायदा नहीं हुआ है। डिस्चार्ज ईरने को बोला जा रहा है। वहीं नेफ्रोलॉजी विभाग में भर्ती महिला के इलाज में कोई सुधार नहीं है। बोले अब कुछ दिन देख रहे वरना हम कहीं और दिखाएंगे। वहीं यूरिन नली में पथरी के इलाज के लिए एक बुजुर्ग को तीमारदार पेशाव की नली लगवाकर कर अस्पताल से ले गए। हैलट पीजीआई के इन हालातों प्राचार्य संजय काला खुद दिखवाने की बात बोलते हैं पर हकीकत यह कि सच्चाई पर पर्दा ढालने को भ्रष्टाचार को छुपाने की कवायद जारी है।

अहमदाबाद में तैयार विशेष ध्वज राममंदिर पर फहराएंगे पीएम मोदी

» 25 नवंबर को श्रीराम मंदिर शिखर पर होगा ध्वजारोहण

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि परिसर में 25 नवंबर को होने वाले ध्वजारोहण समारोह की तैयारियां तेज़ी से चल रही हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर के मुख्य शिखर पर 'श्रीराम ध्वज' फहराएंगे और निर्माण कार्य की पूर्णता की घोषणा करेंगे। प्रधानमंत्री मंदिर निर्माण से जुड़े श्रमिकों और इंजीनियरों से भी मुलाकात कर सकते हैं।

मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव ने बताया कि शिखर पर फहराया जाने वाला विशेष ध्वज अहमदाबाद में तैयार हो रहा है। पैराशूट फैब्रिक से बने इस ध्वज के तीन सेट तैयार किए जा रहे हैं, जो वाटरप्रूफ और फायरप्रूफ हैं तथा तेज हवाओं में भी मजबूती से लहराएगा। ध्वजारोहण के दौरान किसी तकनीकी बाधा से बचने के लिए सेना के इंजीनियरों की मौजूदगी में पूर्वाभ्यास शुरू कर दिया गया है। कार्यक्रम को देखते हुए मंदिर परिसर में सुरक्षा, सजावट और अन्य व्यवस्थाओं की तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं।

यमुना पुल पर रोडवेज बस बनी मुसीबत, हाईवे पर लगा भीषण जाम

» करीब दस किलोमीटर तक रेंगते रहे वाहन, धक्का लगाकर पुल पार कराई गई बस

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

हमीरपुर। यमुना पुल पर महोबा डिपो की रोडवेज बस अचानक खराब हो गई, जिससे कानपुर-सागर हाईवे पर वाहनों का लंबा जाम लग गया। करीब एक घंटे तक हाईवे ठप रहा और लोग घंटों धूप में परेशान होते रहे।घटना सुबह करीब साढ़े 11 बजे की है।

जानकारी के मुताबिक, हमीरपुर से कानपुर की ओर जा रही बस में अचानक करंट आना बंद हो गया। चालक ने कई बार बस स्टार्ट करने की कोशिश की, लेकिन बस चालू नहीं हो सकी। पुल के बीच में खड़ी बस ने यातायात को रोक दिया, जिससे रामपुर मोड़ से लेकर कुछेछा तक लगभग दस किलोमीटर लंबा जाम लग गया।

जाम में फंसे लोगों ने खुद पहल करते हुए बस को धक्का मारकर पुल पार कराया, तब जाकर यातायात बहाल हुआ। इस दौरान बस में सवार करीब 20 से 25 यात्रियों को दूसरी बस में शिफ्ट किया गया।यातायात प्रभारी हरवेंद्र सिंह के मुताबिक, रोडवेज बस की खराबी के कारण जाम की स्थिति बनी थी। टीम के मौके पर पहुंचने के बाद बस को हटवाया गया और करीब साढ़े 12 बजे तक जाम पूरी तरह समाप्त कर वाहनों की आवाजाही सामान्य कर दी गई।जाम के दौरान कई लोग अपने काम पर समय से नहीं पहुंच सके, जबकि कुछ यात्रियों को पैदल ही पुल पार करना पड़ा। लोगों ने कहा कि पुल पर अक्सर वाहनों के खराब होने से ट्रैफिक जाम लगता है, लेकिन स्थायी समाधान अब तक नहीं किया गया है।

अयोध्या में फसल नही फर्जीवाड़ा कृषि भवन में किसान सम्मान की लूट!

» अयोध्या में फर्जी किसान असली लुटेरे - हैडिंग के नीचे लाल पट्टी में लगाएं

» 33 हज़ार अपात्रों को किसने बांटी 'सम्मान' की रकम? कौन पी रहा किसानों का खून!

» अयोध्या में पीएम किसान सम्मान निधि में करोड़ों की बंदरबांट का सनसनीखेज खुलासा!

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की जाँच में बड़ा खेल सामने आया है। कृषि विभाग की रिपोर्ट के अनुसार कुल 33,000 किसान अपात्र (रेड लिस्ट) पाए गए हैं, जिन्होंने नियमों के विपरीत सरकारी धनराशि का लाभ उठाया। यह संख्या अपने आप में एक संभावित बड़े घोटाले का संकेत है।सरकारी आँकड़ों के हिसाब से जिले में 5.50 लाख से अधिक किसान हैं, जिनमें से 4.25 लाख किसान इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। सवाल उठता है बाकी 1.25 लाख किसान कहाँ गायब? और इनमें से 33,000 अपात्र पात्र कैसे बन गए?

उप निदेशक कृषि पी0 के0 कनौजिया

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ. पी.के. कनौजिया कहते हैं-

दोबारा सत्यापन जारी है। 16 नवंबर के बाद अपात्रों की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी। उसी के बाद कड़े रूप में वसूली की जाएगी। हालाकि रिकवरी का कार्य बहुत कठिन है फिर भी विभाग पूरी कोशिश करेगा। लेकिन ठोस सच्चाई यह है रिकवरी का पहिया लगभग जाम पड़ा है। रिकवरी सिर्फ मृत किसानों पर क्यों? अब तक जिस 1,448 मामलों में सम्मान निधि वापस हुई है, वे किसान अपात्र नहीं बल्कि स्वर्गवासी थे। यानी–मरे हुए किसानों से पैसा वापस जिंदा अपात्रों को अभी खुली छूट जारी है!

कैसे खेला गया 'सम्मान' का खेल?

मृत किसानों के बैंक खातों में किस्तें जारी,फर्जी भूमिधरों के नाम पर भुगतान,पोर्टल अपडेट न होने का बहाना बिचौलियों की सक्रियता आवेदन में हेरफेर की गई। यह सब किसी एक व्यक्ति की गलती नहीं। सिस्टम की साजिश की बू साफ आती है। किसानों के नाम पर चली इस योजना मे सच्चे किसान अब भी फॉर्म और फोटो की लाइन में खड़े हैं, जबकि बड़े लोग चुपचाप सरकारी खजाने में सेंध लगा चुके हैं। सरकार कहती है मंशा सिर्फ अपात्रों से वसूली की है। लेकिन! अभी तक एक भी जिंदा अपात्र से एक रुपया वसूल नहीं हुआ।

आंकड़ों में घोटाले की कहानी

विवरणसंख्या के अनुसार अपात्र पाए गए किसान 33,000,
मृतक मामलों में रिकवरी 1,448
प्रति किसान वार्षिक लाभ 6,000
अनुमानित वार्षिक नुकसान 19.8 करोड़ है यह तो सिर्फ एक साल का अनुमान है।

बकाया भुगतान के आश्वासन पर पूर्व प्रधान ने तोड़ा आमरण अनशन

दो दिन से अनशन पर बैठे थे पूर्व प्रधान बालगोविंद तिवारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। हैरिंग्टनगंज विकास खंड मुख्यालय पर पंचायत भवन के बकाया भुगतान की मांग को लेकर पिछले दो दिनों से चल रहा आमरण अनशन बुधवार देर शाम समाप्त हो गया। ग्राम पंचायत जमुआ के पूर्व प्रधान बालगोविंद तिवारी को विभागीय अधिकारियों से लिखित आश्वासन मिलने के बाद अनशन समाप्त करना पड़ा। हैरिंग्टनगंज चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक वीरेन्द्र सिंह ने उन्हें नारियल जूस पिलाकर अनशन समाप्त कराया।पूर्व प्रधान बालगोविंद तिवारी ने बताया कि ग्राम पंचायत जमुआ में करीब पांच वर्ष पूर्व पंचायत भवन निर्माण पूरा किया गया था। अधिकांश भुगतान हो चुका, लेकिन कुछ धनराशि अब भी बकाया थी।

कई बार संबंधित अधिकारियों को पत्र भेजने के बावजूद कार्रवाई न होने पर वे मंगलवार सुबह से आमरण अनशन पर बैठ गए थे। लगातार दो दिन तक अनशन पर रहने से उनका स्वास्थ्य बिगड़ता देख खंड विकास अधिकारी रूप नारायण भारती, एडीओ पंचायत अरविन्द कुमार, सहायक विकास अधिकारी गौतम वर्मा ने हस्तक्षेप किया।

पंचायत सचिव मिथलेश कुमार की ओर से तीन दिनों के भीतर बकाया भुगतान का लिखित आश्वासन दिया गया, जिसके बाद अनशन समाप्त कराया गया। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि भुगतान समय पर कर दिया जाएगा और भविष्य में इस तरह की अनावश्यक देर नहीं होने दी जाएगी।

सामूहिक राष्ट्रगीत गायन से जगाएंगे देशभक्ति की अलख

वंदेमातरम् के 150 वर्ष

» कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी भी वर्चुअल जुड़ेंगे

» विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने बताई आयोजन की रूपरेखा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर पूरे महीने जिले में भव्य कार्यक्रमों की श्रृंखला चलेगी। उन्होंने कहा कि आगामी शुक्रवार को जिले के सभी मंडलों में एक साथ सामूहिक राष्ट्रगीत का गायन किया जाएगा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सीधे कार्यक्रम से जुड़ेंगे। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् कार्यक्रम में पीएम सीधे जुड़ेगे। इस ऐतिहासिक क्षण का सभी लोग हिस्सा बनें।

पत्रकारों से बातचीत करते विधायक वेद प्रकाश गुप्ता

विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने बताया कि 13 नवंबर को पूरे बाजार से गंगौली चौराहे तक विशाल पदयात्रा निकाली जाएगी। इसके साथ ही युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी। यह आयोजन 15, 16 व 17 नवंबर को सभी विधानसभा में विधायक खेल प्रतियोगिता का आयोजन होगा ।उन्होंने कहा ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का बड़ा अभियान शुरू किया गया है। खेलों से युवाओं को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी। विधायक ने दावा किया कि आने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। विधायक गुप्ता ने जिले के सभी नागरिकों, विशेषकर युवाओं से अपील की मतदाता सूची में अपना नाम सही कराएं, राष्ट्रगीत के गौरवपूर्ण क्षण में शामिल हों और राष्ट्रनिर्माण की हर गतिविधि का हिस्सा बनें। इस अवसर पर वन्दे मातरम कार्यक्रम की संयोजक अनीता सिंह ,महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी दिवाकर सिंह भी मौजूद रहे।

एसआईआर के बाबत सवाल पर विधायक ने स्पष्ट कहा कि मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा देश में फर्जी मतदाता की बात राहुल गांधी कर रहे हैं तो उसे सही करने के लिए ही यह कार्य हो रहा है। सही मतदाता का सही चयन पहली बार इस स्तर पर हो रहा है। कोई भी मतदाता दो जगह से नाम न रखे, यह सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसमें बूथ लेवल के संगठन पदाधिकारी सरकार के साथ सहयोग में हैं और यह अभियान लगातार चलाया जाएगा।

दिग्गजों की किस्मत अब जनता के हाथ

बिहार में तीन बजे तक 53.77 प्रतिशत बंपर मतदान हुआ

डिप्टी सीएम की गाड़ी पर पथराव, नाक में ऑक्सीजन पाइप और हाथों में वोटर कार्ड, लिस्ट में नहीं है नाम

» नीतीश कुमार, तेजस्वी सहित कई बड़ी हस्तियों ने किया मतदान।

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में आज 18 जिलों की 121 सीटों पर सुबह 7 बजे से वोटिंग हो रही है। चुनाव आयोग ने जानकारी दी है कि दोपहर 3 बजे तक राज्य में औसतन 53.77 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। मतदाता उत्साहपूर्वक लोकतंत्र के इस महापर्व में हिस्सा ले रहे हैं।

सीएम नीतीश कुमार से लेकर विपक्षी नेता तेजस्वी यादव तक, बिहार की बड़ी हस्तियों ने पटना में अपना मतदान किया। 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर मतदान हो रहा है। कुल 1314 उम्मीदवारों का भाग्य तय होगा। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगा। एनडीए (बीजेपी-जेडीयू) और महागठबंधन (आरजेडी-कांग्रेस-वामपंथी) के बीच कांटे की टक्कर है, जबकि प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी भी तीसरा विकल्प बनकर उभरी है। इस चरण में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे तेजस्वी यादव और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार एवं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ-साथ 16 मंत्रियों की किस्मत भी दांव पर है।

इस बीच, लखीसराय विधानसभा क्षेत्र में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के वाहन पर पथराव की खबर आई। उपमुख्यमंत्री ने इसका आरोप राजद पर लगाया है। बताया जा रहा है कि बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा का काफिला चुनाव प्रबंधन के सिलसिले में इलाके से गुजर रहा था। इस दौरान कुछ लोगों ने उनकी गाड़ी पर कीचड़ फेंक दिया और नारेबाजी की। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह घटना खुडियाडी गांव की है। उन्होंने बताया कि यहां सही तरीके से व्यवस्था नहीं की गई थी। उनकी गाड़ी पर जूते फेंके गए, पथराव किया गया।

जो राम का नहीं, वह हमारे किसी काम का नहीं: योगी

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के प्रचार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीतामढ़ी जिले के परिहार और सुरसंड विधानसभाओं में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। परिहार से भाजपा प्रत्याशी गायत्री देवी और सुरसंड से जदयू प्रत्याशी नागेंद्र राउत के पक्ष में विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि बिहार की जनता अब पहचान का संकट से निकलकर, विकास का विकल्प चुन रही है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने भगवान श्रीराम और जानकी पर सवाल उठाए उनको सबक सिखाना है, क्योंकि जो राम का नहीं है, वह हमारे किसी काम का नहीं है।

वोटिंग के बीच अलग अलग हिस्सों से कई चौंकाने वाले मामले सामने आ रहे हैं। कहीं पर पूरे मोहल्ले का नाम वोटर लिस्ट से गायब है तो कहीं पर सरकार के विरोध में वोटों का बहिष्कार किया जा रहा है। इसी बीच पटना से भी एक ऐसी ही हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां शालिनी नाम की एक महिला इलाज के बीच नाक में ऑक्सीजन पाइप लगाकर और हाथों में वोटर आईडी कार्ड लेकर बूथ पहुंची तो उसे कुछ ऐसा पता चला जिसे सुनकर वह हैरान रह गई। मतदान कर्मीयों ने शालिनी को बताया कि वह वोट नहीं दे सकती है क्योंकि उसका नाम तो वोटर लिस्ट में शामिल ही नहीं है।

शिकायतः हमें वोट डालने की इजाजत नहीं दी

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बीच पटना से एक शिकायत आई है। मतदान केंद्र के बाहर खड़ी दो महिलाओं ने शिकायत की कि उन्हें वोट डालने की अनुमति नहीं दी गई। श्रेया मेहता ने बताया, बीएलओ ने हमें वोटर स्लिप नहीं दी और कहा कि इसे डिजिटल रूप से डाउनलोड करें। मेरा नाम मतदाता सूची में है। हम सुबह 6:30 बजे से यहां इंतजार कर रहे हैं। अब हम वापस जा रहे हैं, हम अपना वोट नहीं डालेंगे।

भैंस पर सवार होकर वोट डालने पहुंचा युवक

वैशाली के राघोपुर के दियारा इलाके में तो एक वोटर जुगाड़ की नाव बना कर बूथ नंबर 240 पर वोट डालने पहुंचा तो शेखपुरा में 95 साल की बुजुर्ग महिला लकड़ी के सहारे वोट देने आई। नालंदा के हिलसा में दिव्यांगों के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था नहीं होने पर उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वैशाली में वोटिंग के दौरान एक अनोखा नजारा देखने को मिला। यहां एक युवक भैंस पर सवार होकर वोट डालने मतदान केंद्र पहुंचा।

आगरा एक्सप्रेसवे पर बस पलटी, 40 यात्री घायल

रात ढाई बजे दिल्ली से वाराणसी जा रही थी स्लीपर

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। दिल्ली से वाराणसी जा रही निजी एसी स्लीपर बस (बीआर 28 पी 9488) बुधवार देर रात आगरा एक्सप्रेसवे से नीचे उतरकर पलट गई। घटना रात करीब 2:30 बजे उन्नाव जिले के मटरिया हसनगंज इलाके में हुई। ओवर स्पीडिंग और धुंध की वजह से बस पलटने की आशंका है।

यूपी कंट्रोल रूम में सूचना मिलने पर देर रात एंबुलेंस और राहत व बचाव के लिए लोगों को घटनास्थल की ओर रवाना किया गया। हादसे में 40 से ज्यादा यात्रियों के घायल होने की सूचना है। घायलों में कानपुर निवासी विजय प्रकाश तिवारी व उषा तिवारी भी हैं। विजय प्रकाश ने बताया कि बस शाम छह बजे दिल्ली से निकली थी। बस में उनके परिवार के पांच लोग सवार थे। उन्हें लखनऊ तक आना था। रात 1:45 बजे बस आगरा आगे बढ़ चुकी थी।

काफी देर के बाद रास्ते में एक टोल प्लाजा आया। वहां से करीब पांच किमी आगे बढ़ने पर बस अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे से उतर गई और नीचे जाकर पलट गई। जिस समय हादसा हुआ, बस के अधिकतर यात्री सो रहे थे। किसी को भी संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। शोर सुनकर कुछ ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्होंने कंट्रोल रूम को सूचना दी। घायलों को उन्नाव व लखनऊ भेजा गया।

सीएम योगी ने विश्वनाथ धाम बाबा कालभैरव के किए दर्शन

पीएम मोदी के दौरे की परखीं तैयारियां, रेलवे स्टेशन को भी जांचा

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार की सुबह काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन किए। इसके बाद बाबा कालभैरव के दर्शन भी किए। इसके बाद सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बनारस रेलवे स्टेशन और बरेका का भी निरीक्षण किया।

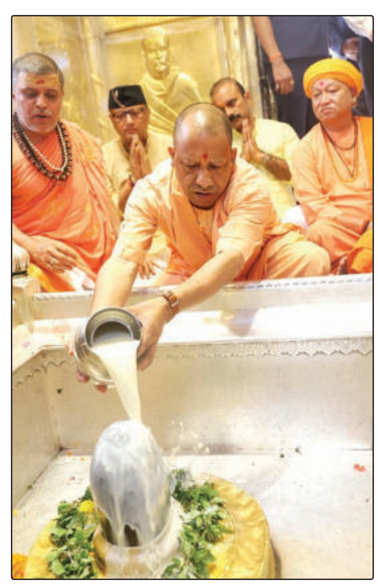

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने वाराणसी प्रवास के दूसरे दिन धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने के उपरांत गुरुवार को बनारस रेलवे स्टेशन पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी दौरे की तैयारियों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने रेलवे और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को स्टेशन परिसर के सुंदरीकरण, सुरक्षा व्यवस्था, यात्री सुविधाओं और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल से जुड़ी व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान सभी व्यवस्थाएं सुचारु और व्यवस्थित रहें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने स्टेशन पर साफ-सफाई, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में सात नवंबर को दो दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। आठ नवंबर को वह बनारस रेलवे स्टेशन से वाराणसी-खजुराहो वंदे भारत और तीन अन्य ट्रेनों का शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री के आगमन से पूर्व मुख्यमंत्री का यह निरीक्षण दौरा तैयारियों को अंतिम रूप देने के मद्देनजर बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।